

Report. The Committee was shocked as to how the Government could say that only 509 medicines are essential and the rest of them are not. Even people from all sections have been demanding for decades treatment of all medicines as essential medicines. Secondly, import of medicines is also adding to the cost of medicines and is one of the reasons for the high prices of drugs. This has to be reduced to a minimum level. The hon. Prime Minister has rightly initiated the 'Make in India' campaign. As we are the leaders in generic drugs in the world and supply medicines at even one-tenth of what they cost in advanced countries, all the drug manufacturers need to give more preference to the manufacture of drugs within the country in bulk quantity as a part of the 'Make in India' initiative and reduce its imports, so that people get medicines at an affordable price. In view of the above, I request the Government of India to include all the medicines under the National List of Essential Medicines, apart from 509 already included, and make every medicine affordable to the poor people of this country.

Continued attacks by naxalites on para-military forces in Chhattisgarh

श्री प्रमोद तिवारी (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदय, जब से केन्द्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार आई है, तब से आतंकवादी गतिविधियों और नक्सलवादी गतिविधियों में बहुत वृद्धि हुई है। मैं छत्तीसगढ़ राज्य की 11 अप्रैल, 2015 की घटना का जिक्र करना चाहता हूँ, जब सुकमा में कमांडर सहित 7 सीआरपीएफ के जवानों को नक्सलियों ने मार दिया। इसमें सबसे शर्मनाक और दुखद बात तो यह है कि छत्तीसगढ़ में घटित इस घटना के 38 घंटे तक जवानों के शव जंगली जानवरों के और नक्सलियों के रहमो-करम पर जंगल में पड़े रहे, वहां से उन शवों को भी समय पर नहीं उठाया गया। छत्तीसगढ़ सरकार की यह स्थिति है, जिसके जिम्मे सुरक्षा की जिम्मेदारी थी।

मान्यवर, 11 अप्रैल को यह घटना होती है, फिर 12 अप्रैल को बरबसपुर में 17 वाहनों को तोड़ दिया गया, बीएसएफ के कैम्प में घुसकर एक जवान को गोली मारी गई। अभी तक जंगल में ऐसा हो रहा था, अब इनके आने के बाद बीएसएफ के कैम्पों में जाकर ऐसा हो रहा है। नक्सलियों की इतनी हिम्मत बढ़ गई है, उनके हौसले इतने बुलंद हैं कि वे उनके कैम्पों में जाकर गोली मार रहे हैं। इतना ही नहीं, 11 अप्रैल और 12 अप्रैल को यह होता है, फिर 13 अप्रैल को छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में, वही राज्य, वही क्षेत्र, तीसरी घटना होती है, जहां 7 जवानों को मार दिया जाता है। लगातार इस तरह का प्रयास हो रहा है। यह वही छत्तीसगढ़ है, जहां हमारे कांग्रेस के सारे नेतृत्व को छत्तीसगढ़ पुलिस ने एक सुनियोजित * में मरवा दिया था। यह वही राज्य है, यहां वही परिस्थितियां हैं। छत्तीसगढ़ सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह उनको नक्शे मुहैया कराए, लोकल इंटेलीजेन्स दे और वहां पर उनको गाइड करे। ... (व्यवधान)...

श्री अनिल माधव दवे (मध्य प्रदेश) : सर, इस तरह से नहीं कहा जा सकता कि वहां पर कांग्रेस नेताओं को इस तरह... (व्यवधान)...

*Expunged as ordered by the Chair.

श्री बी.के. हरिप्रसाद (कर्णाटक): कोई वहां पर सरकार नहीं है। ...**(व्यवधान)**...

श्रीमती रेणुका चौधरी (आन्ध्र प्रदेश): आपको पता ही नहीं है कि कितने लोग मार दिए गए छत्तीसगढ़ में। ...**(व्यवधान)**...

श्री प्रमोद तिवारी: मैं बहुत स्पष्ट कहना चाहता हूँ। ...**(व्यवधान)**.. मैं किसी सरकार का जिक्र नहीं कर रहा हूँ, वहां सरकार नाम की चीज ही नहीं है। छत्तीसगढ़ सरकार पूरी तरह से * से मिली हुई है और केन्द्र सरकार * को बढ़ा रही है। इसलिए नहीं...**(व्यवधान)**... कुल मिलाकर ऐसी स्थिति हो गई है। इन्होंने आत्मघातियों को जेलों से रिहा करना शुरू कर दिया है। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: What are you doing? ...**(Interruptions)**... Please sit down.**(Interruptions)**... Why do you disturb?

श्री प्रमोद तिवारी: आत्मघातियों के जेलों से रिहा होने के बाद हमारी सीमाओं पर जवान मारे जा रह हैं। यही नहीं, नक्सलवादी गतिविधियों से हमारे जवानों के हौसलों, उनके मनोबलों को तोड़ा जा रहा है। चाहे सरकार केन्द्र की हो या प्रदेश की हो, इसने आत्मघातियों के सामने घुटने टेक दिए हैं। इस सरकार में न दम है, न साहस है, न नैतिकता है कि यह उनका सामना कर सके। ये जो लोग छत्तीसगढ़ सरकार के इस कदम को जायज बता रहे हैं, मैं कहना चाहता हूँ। ...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Time over; Shri Ali Anwar Ansari....**(Interruptions)**...

श्री पी.एल. पुनिया (उत्तर प्रदेश) : सर, मैं इस विषय से एसोसिएट करता हूँ।

श्रीमती कहकशां परवीन (बिहार): सर, मैं इस विषय से एसोसिएट करती हूँ।

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY: Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Pramod Tiwari.

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU (Telangana): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Pramod Tiwari.

SHRI MADHUSUDAN MISTRY (Gujarat): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Pramod Tiwari.

SHRI B.K. HARIPRASAD: Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Pramod Tiwari.

SHRI PALVAI GOVARDHAN REDDY: (Telangana): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Pramod Tiwari.

SHRI K.K. RAGESH (Kerala): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Pramod Tiwari.

SHRI RITABRATA BANERJEE (West Bengal): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Pramod Tiwari.

**Demand for releasing family pension and other benefits to widow of Late
Masood Umar Khan, Eminent Educationist**

श्री अली अनवर अंसारी (बिहार): उपसभापति महोदय, 73 वर्षीय एक विडो, जिनका नाम नूरसबा है, पिछले एक हफ्ते से जंतर-मंतर पर अनशन पर बैठी है। पिछले 35 साल से वह एक लड़ाई लड़ रही है और उनकी जो समस्या है वह लॉ एंड जस्टिस के जंगल में फंसी हुई है। उनके हर्बैंड, जिनका नाम मसूद उमर खां था, जो एक शिक्षाविद थे, एक शिक्षक थे। 35 साल हो गए, उनको पारिवारिक पेंशन नहीं मिली। उनको gratuity, बीमा, किसी तरह की राशि का भुगतान नहीं हुआ। वे एक हफ्ते से यहां बैठी हुई हैं। उनके पति को पद्मश्री पुरस्कार मिल चुका है और दर्जनों दूसरे पुरस्कार मिल चुके हैं। उन्होंने धमकी दी है कि हम इन पुरस्कारों को जलाएंगे और आत्मदाह करेंगे।

महोदय, यह बड़े अफसोस की बात है कि वे ज़िंदगी से... मेरे यहां कुछ लोग आए थे, तो मैं उनसे मिलने गया था और मैंने कहा कि आप इस तरह का काम मत कीजिए। दुनिया के सभी धर्मों में आत्महत्या से बढ़कर कोई पाप और गुनाह नहीं माना गया है। यह काम आप मत कीजिए, लेकिन वे रोने लगीं। वे दमा की पेशेंट हैं और वहां खुले आसमान के नीचे अपने बेटे के साथ बैठी हैं। वे रो रही हैं, कलप रही हैं कि बेटा, हम क्या करें? चीफ जस्टिस से लेकर हाई कोर्ट तक, पैंतीस साल से वे एक फॉल्स ऐफिडेविट के कारण.... एक किरानी को अगर घूस नहीं दीजिएगा, तो वह आपका केस बिगाड़ देगा, तो कहां-कहां उनको जाना पड़ता है ! उसने फॉल्स ऐफिडेविट देकर पेपर्स में शो कर दिया कि इनको पेंशन मिल गई है, जबकि उनको पेंशन नहीं मिली। महोदय, यह मामला है और वे रो रही हैं कि उनको देखने वाला कोई नहीं है। तो मेरा कहना है कि सरकार इस मामले में इंटरवीन करे। यह एक व्यक्ति का सवाल नहीं है, इस तरह से लोगों को कितनी परेशानी होती है, इसलिए सरकार इस मामले को देखे कि उसमें उनका क्या दोष है और इस मामले को निपटाए।

चौधरी मुनव्वर सलीम (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं इसके साथ एसोसिएट करता हूं।

†چودھری منور سلیم (اثر پردیش): مہودے، میں اس کے ساتھ ایسوسی ایٹ کرتا ہوں۔

डा. अनिल कुमार साहनी (बिहार): महोदय, मैं इस विषय के साथ स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री गुलाम रसूल बलियावी (बिहार): सर, मैं भी इस विषय के साथ स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

‡جناب غلام رسول بلیاوی (بہار): مہودے سر، میں بھی اس مسئلے کے ساتھ خود کو سمبڈھ کرتا ہوں۔

श्री शरद यादव (बिहार): श्रीमन्, माननीय सदस्य ने जो मामला उठाया है, मैं नेता सदन से अनुरोध करूंगा कि इनकी बात सुनी जाए। यह मामला इस ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Sharadji, one second. ...(Interruptions).. If the plight narrated here of a widow is true, I believe it is true, it is serious. Take note of this.

†Transliteration in Urdu Script.